DATE :- 24-01-2026
DAINIK BHASKAR, PAGE-02, SURAT

भास्कर एक्सक्लूसिव **जल्द खत्म होगा इंतजार** • मेट्रो परिचालन और किराया पर जल्द होगा अंतिम निर्णय

सूरतियों को हर 4 से 8 मिनट में मिलेगी मेट्रो, न्यूनतम किराया 10 और अधिकतम 40 रुपए रखने का प्रस्ताव

लवकुश मिश्रा | सूरत

डायमंड एवं सिल्क सिटी का बहुप्रतिक्षित मेट्रो रेल प्रोजेक्ट अब रफ्तार पकड़ चुका है और इस साल के अंत में या 2027 की शुरुआत में लोग मेट्रो का सफर कर सकेंगे। गुजरात मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (जीएमआरसी) ने भी मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू करने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। जीएमआरसी अधिकारियों ने सूरत मेट्रो के किराए और ट्रेन की फ्रीक्वेंसी को लेकर का मंथन शुरू कर दिया है। प्रारंभिक तौर पर तैयार प्रस्ताव के मुताबिक सूरत मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपए तय किया गया है, जबकि अधिकतम किराया 40 रुपए होगा।

जीएमआरसी के इस प्रस्ताव के तहत सूरतियों को हर 4 से 8 मेट्रो ट्रेन मिलेगी। पीक आवर्स में यात्रियों का भार बढ़ने मेट्रो ट्रेन की फ्रीक्वेंसी और बढ़ाई जाएगी। मेट्रो सूत्रों के मुताबिक 40.35 किलोमीटर लंबे सूरत मेट्रो रेल प्रोजेक्ट का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। ड्रीम सिटी से कादरशा की नाल तक के नौ किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर पर 93 प्रतिशत सिविल कार्य पूरा हो चुका है। इस नवंबर-दिसंबर तक प्रायोरिटी कॉरिडोर पर मेट्रो ट्रायल रन किया जाएगा। ट्रायल रन से पहले मेट्रो का किराया तय पर मंथल चल रहा है। जिसके तहत एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। मेट्रो के फेयर स्लेब पर अंतिम निर्णय और जीएमआरसी बोर्ड और राज्य सरकार स्तर पर लिया जाएगा।

प्रारंभिक प्रस्ताव में सूरत मेट्रो का किराया अहमदाबाद से ज्यादा, फाइनल स्लैब में कमी के आसार

फाइल फोटो

सूरत | अहमदाबाद

ऐसा है प्रस्तावित किराया स्लैब

स्टेशन	दूरी	किराया(रु.)
1 से 3 स्टेशन	0–2 किमी	10
4 से 6 स्टेशन	2–5 किमी	15–20
7 से 12 स्टेशन	5–10 किमी	25
13 से 20 स्टेशन	10–18 किमी	30–35
इससे ज्यादा		40

यह है मेट्रो फेयर स्लैब

स्टेशन	किराया(रु.)
▪ 1 से 3 स्टेशन	5
▪ 4 से 7 स्टेशन	10
▪ 8 से 11 स्टेशन	15
▪ 12 से 15 स्टेशन	20
▪ इससे ज्यादा	25

मेट्रो में ज्यादा लंबी दूरी वाले यात्रियों को फायदा

प्रस्तावित फेयर स्लेब के अनुसार ज्यादा लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों को फायदा होगा। एक से तीन स्टेशन तक यात्रा करने पर 10 रुपए देने होंगे, जबकि 20 स्टेशन या उससे ज्यादा दूरी पर जाने पर मात्र 40 रुपए देने होंगे। यह किराया दूरी के आधार पर इसलिए तय किया जा रहा है, जाकि ऑटो-रिक्शा और निजी वाहनों की तुलना में मेट्रो ज्यादा किफायती विकल्प बने। हालांकि, सूरत मेट्रो अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह सिर्फ एक प्रारंभिक मंथन है, जो प्रस्ताव के लिए हो रहा है। ऑपरेटिंग विभाग के गठन के बाद किराया ढांचे पर नए सिरे से निर्णय लिया जाएगा। दोनों लाइन को मिलाकर भी 40 से ज्यादा किराया नहीं रखा जाएगा।

▪ 2027 तक पूरा नेटवर्क चालू करने का लक्ष्य, 38 स्टेशन प्रस्तावित | सूरत मेट्रो प्रोजेक्ट के पूरे नेटवर्क में कुल 38 स्टेशन प्रस्तावित हैं। अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष के अंत में ट्रायल तय है, जबकि दिसंबर 2027 तक पूरे नेटवर्क के कमर्शियल चालू होने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद सूरत में ट्रैफिक दबाव कम होने, ईंधन की बचत और प्रदूषण में कमी की उम्मीद है।

सूरत मेट्रो का संचालन सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक करने का प्रस्ताव

यात्रियों की सुविधा के लिए मेट्रो को सुबह 5 बजे से रात 12 बजे तक चलाने का प्रस्ताव है। पीक आवर्स में हर 4 से 8 मिनट के अंतराल पर ट्रेन चलाने की योजना पर मंथन किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक यह फ्रिक्वेंसी यात्रियों की संख्या, ऑपरेशनल क्षमता और लागत को देखते हुए तय की जाएगी।

डिजिटल टिकटिंग के लिए QR, NFC जैसी तकनीकों पर विचार

सूरत मेट्रो में कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल सिस्टम के जरिए सुरक्षित और सुचारु संचालन की योजना है। डिजिटल टिकटिंग के लिए QR कोड और NFC जैसी तकनीकों पर भी विचार किया जा रहा है। अंतिम स्वरूप ऑपरेटिंग विभाग से तय होगा।

यह केवल प्रस्ताव है, अंतिम निर्णय सरकार स्तर पर होगा-अधिकारी

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार किराया स्लैब का अंतिम और फाइनल किराया निर्णय ऑपरेटिंग विभाग के गठन के बाद होगा। तभी से मान्य किया जाएगा। अभी प्रारंभिक किराया स्लेब बनाया गया है। अभी तैयार प्रस्ताव में सूरत मेट्रो का किराया अहमदाबाद से ज्यादा प्रस्तावित किया है।